नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम

भारत के वैज्ञानिक विकास में सेमीकॉन इंडिया 2025 सम्मेलन एक ऐतिहासिक मोड़ बन गया है .इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष 'विक्रम 3201' प्रोसेसर पेश किया. इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और चंडीगढ़ स्थित सेमीकंडक्टर लेबोरेटरी ने मिलकर बनाया है. यह उपलब्धि केवल एक तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता का उद्घोष है. यह 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर -55 डिग्री सेल्सियस से +125 डिग्री सेल्सियस तापमान तक काम करने में सक्षम है. रॉकेट और लॉन्च व्हीकल्स के नेविगेशन, कंट्रोल और मिशन मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारियां यह संभालेगा. इसकी खासियत यह है कि यह रेडिएशन और वाइब्रेशन जैसी कठिन परिस्थितियों में भी भरोसेमंद बना रहता है। 2009 से इसरो 'विक्रम 1601' (16-बिट) का उपयोग करता रहा है. अब नया प्रोसेसर न केवल 32-बिट आर्किटेक्चर लाता है, बल्कि इसमें 64 -बिट फ्लोटिंग-पॉइंट ऑपरेशन, एडीए प्रोग्रामिंग सपोर्ट और ऑन-चिप 1553ब्रबस इंटरफेस जैसी क्षमताएं भी हैं. इसका निर्माण 180-नैनोमीटर सीएमओएस तकनीक से हुआ है, जो एयरोस्पेस एप्लिकेशंस के लिए परखा हुआ मानक है. दरअसल, विक्रम 3201' को पीएसएलवी मिशन में पहले ही सफलतापूर्वक टेस्ट किया जा चुका है. इसने पीओईएम मिशन मैनेजमेंट कंप्यूटर को संचालित कर अपनी विश्वसनीयता साबित कर दी. इसके अलावा इसरो ने 'कल्पना 3201' नामक एक और प्रोसेसर तथा चार अन्य स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी लॉन्च किए हैं. ये सभी भारत की आयात निर्भरता को घटाने में सहायक होंगे.

आज दुनिया की भू-राजनीति में सेमीकंडक्टर सबसे अहम संसाधन बन चुके हैं. अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध का केंद्र चिप्स ही हैं. ताइवान, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर उत्पादन का लगभग 60 फीसदी अकेले संभालता है, एशिया-प्रशांत की सुरक्षा समीकरणों में निर्णायक बन चुका है. ऐसी स्थिति में भारत का अपना स्पेस-ग्रेड प्रोसेसर तैयार करना केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वतंत्रता की गारंटी भी है. इससे भारत अब बाहरी सप्लाई चेन बाधाओं का बंधक नहीं रहेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन में स्पष्ट कहा है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता भी है. हमारी ताकत नवाचार है और हमारी दिशा आत्मनिर्भरता. जाहिर है प्रधानमंत्री का यह उद्धरण इस उपलब्धि के महत्व को और भी रेखांकित करता है.

डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और अब सेमीकॉन इंडिया जैसी योजनाएं दिखाती हैं कि भारत तकनीक का केवल खरीदार नहीं, बल्कि निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है. सम्मेलन में यह भी बताया गया कि देश में पांच नए सेमीकंडक्टर यूनिट्स स्थापित हो रहे हैं. डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के जरिए भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत स्थान दिलाने की ठोस तैयारी हो रही है. कुल मिलाकर विक्रम 3201' भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है. यह इसरो की उड़ानों को सुरक्षित करेगा और भारत को उन देशों की श्रेणी में लाएगा जो अपनी स्पेस-ग्रेड तकनीक स्वयं बनाते हैं. अमेरिका, चीन और ताइवान के बीच चिप युद्ध के समय यह उपलब्धि भारत को नई रणनीतिक मजबूती प्रदान करती है. सेमीकॉन इंडिया 2025 का संदेश स्पष्ट है कि भारत अब केवल तकनीक का बाज़ार नहीं, बल्कि नवाचार और आत्मनिर्भरता का केंद्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर है.

2035 तक भारत का अंतरिक्ष स्टेशन होगा

डॉ. जितेंद्र सिंह
केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का कहना है कि गगनयान भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो उसकी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं की पुन: पुष्टि करेगा और पृथ्वी के लिए लाभकारी अनुप्रयोगों सहित वैज्ञानिक ज्ञान में वृद्धि करेगा.

प्रश्न- भारत के अंतरिक्ष भविष्य के लिए गगनयान का सबसे बड़ा परिणाम क्या होगा?

उत्तर- अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का उदय पहले ही हो चुका है और इसे वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया है. अब हम अनुयायी मात्र नहीं हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में समान भागीदार हैं. गगनयान मिशन एक और निर्णायक मोड़ का प्रतीक होगा. यह न केवल मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमताओं की पुनर्पुष्टि करेगा, बल्कि हमारे वैज्ञानिक ज्ञान में भी वृद्धि करेगा. अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला द्वारा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या माइक्रोग्रेविटी, कृषि और जीवन विज्ञान पर किए गए प्रयोगों के साथ-साथ, यह मिशन पृथ्वी पर अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा. यह भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा, जबकि हम बुनियादी ढाँचे, विकास और जीवन को सुगम बनाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग जारी रखेंगे.

प्रश्न- शुक्ला जैसे युवा अंतरिक्ष यात्रियों के आने से, हमारी मानव अंतरिक्ष यात्रा को आकार देने में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है?

उत्तर- अंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में भारत के भविष्य के लिए युवा अपरिहार्य हैं. हमारी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी 40 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए स्वाभाविक रूप से, वे विकसित भारत के पथप्रदर्शक हैं. अंतरिक्ष में, शारीरिक मानसिक अनुकूलन शीलता की आवश्यकता के कारण युवाओं को बढ़त हासिल है. उदाहरण के लिए, गगनयान के लिए प्रशिक्षित चार अंतरिक्ष यात्रियों में, शुभांशु सबसे कम उम्र के थे और यह बात लाभदायक रही. अंतरिक्ष मिशनों के लिए त्वरित अनुकूलन की आवश्यकता होती है, जिसे युवा अधिक कुशलता से संभाल सकते हैं.

प्रश्न- क्या आपको लगता है कि गगनयान वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए संभावनाओं के द्वार खोलेगा?

उत्तर- जी बिल्कुल. अंतरिक्ष विज्ञान में पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेद नहीं है. 15 अगस्त, 2018 को जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार गगनयान की घोषणा की थी, तो उन्होंने कहा था कि भारत का एक बेटा या बेटी अंतरिक्ष में जाएंगे . वर्तमान में, चयनित चार अंतरिक्ष यात्री पुरुष हैं, वे वायु सेना से हैं और इसका कारण मुख्यत: उनका उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त होना है. लेकिन आगे चलकर, वायु सेना से बाहर के अंतरिक्ष यात्रियों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें महिलाएँ भी होंगी. वैश्विक स्तर पर, महिलाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी रही हैं. भारत में भी, इसरो की कई परियोजनाओं का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों ने किया है, चाहे वह चंद्रयान हो, आदित्य हो या अन्य.

प्रश्न- क्या गगनयान भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशनों में शामिल होने या अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा?

उत्तर- भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन नामक स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने वाला है. प्रधानमंत्री ने सुदर्शन सुरक्षा चक्र का भी उल्लेख किया है, जहाँ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. इसलिए, 2035 एक युगांतकारी वर्ष होगा... उसके पाँच साल बाद, भारत का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर मानव सहित मिशन भेजना है.

प्रश्न- भारत सेमीकंडक्टर और एआई तकनीकों में प्रगति कर रहा है, ऐसे में सरकार भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाओं के लिए सेमीकंडक्टर मिशन को अंतरिक्ष- स्तरीय आवश्यकताओं के साथ कैसे जोड़ रही है?

उत्तर- सेमीकंडक्टरों के व्यापक अनुप्रयोग होंगे, जिनमें अंतरिक्ष मिशन भी शामिल हैं. छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी के घने या दुर्गम क्षेत्रों में, बल्कि लंबी अवधि के अंतरिक्ष अभियानों के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे. ये तकनीकें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी भविष्य की परियोजनाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण होंगी.

> **प्रश्न- क्या आप केवल वायु सेना के पायलटों को ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी भारत के अंतरिक्ष यात्री समूह में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे?**
> **उत्तर**- बिल्कुल. फ़िलहाल, वायु सेना के पायलट हाई एल्टीट्यूड जेट विमानों में प्रशिक्षण के कारण बेहतर रूप से तैयार हैं, लेकिन यह तो बस शुरुआत है. भविष्य में, हमारे अंतरिक्ष यात्री समूह का विस्तार होगा और इसमें आम नागरिक, महिलाएँ, जैव-प्रौद्योगिकीविद, अंतरिक्ष चिकित्सक और यहाँ तक कि मीडिया पेशेवर भी शामिल होंगे ताकि मिशनों को वास्तविक समय में रिकॉर्ड किया जा सके. जैसे-जैसे यह प्रणाली विकसित होगी, भारत को अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के एक बड़े और अधिक वैविध्यपूर्ण समूह की आवश्यकता होगी.

ग्वालियर चंबल डायरी

संगठन की साख पर सवाल था, इसलिए विधायक को देनी पड़ी कड़ी नसीहत

हरीश दुबे

भिंड विधायक और कलेक्टर के दरम्यान हुए विवाद एवं सार्वजनिक रूप से एक दूसरे की औकात नापे जाने की अभूतपूर्व घटना ने सरकार और संगठन, की प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया. इस विवाद के चलते सरकार की छवि धूमिल होती दिखी तो तुरंत संगठन हरकत में आया और विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह को शोकाज अल्टीमेटम पर भोपाल तलब कर उनकी क्लास ले ली गई. संगठन महामंत्री हितानंद के बंगले पर लगी क्लास में प्रदेश प्रधान हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने विधायक महोदय को साफ संदेश दे दिया कि यह कृत्य अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति हुई तो विधायक को सख्त एक्शन का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा.

भोपाल से लौटने के बाद विधायक के तेवर पहले जैसे तल्ख नहीं रह गए हैं, हालांकि विधायक और कलेक्टर, दोनों तरफ से सिटी कोतवाली में एक दूसरे के खिलाफ शिकायती आवेदन दिए गए हैं. संगठन के कड़े रुख का यह असर हुआ कि इस पूरे मसले पर विधायक इस मसले पर अपनी ही पार्टी में अलग थलग पड़ गए. हालांकि प्रशासन के हिटलरी अंदाज से पीड़ित रहा पार्टी का एक तबका अभी भी विधायक को हवा देने में जुटा है लेकिन विधायक महोदय दूध के जले हैं, इसलिए अब छाछ को भी फूंक फूंक कर पी रहे हैं. कोई उनका साथ दे या न दे, शिवपुरी जिले की पिछोर सीट के भाजपा विधायक प्रीतम लोधी जरूर नरेन्द्र कुशवाह के साथ खड़े दिखाई दिए. चूंकि अपने तेज तर्रार अंदाज के चलते प्रीतम लोधी की पुलिस और प्रशासन से कभी नहीं बनी और वे खुद को सदैव प्रशासन उत्पीड़ित मानते रहे, लिहाजा प्रीतम को भिंड के विधायक में अपना अक्स नजर आया.

दोनों तरफ कार्यकारिणी का इंतजार

चंबल संभाग के सभी जिलों में भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही दलों में जिला कार्यकारिणी का इंतजार चल रहा है. दोनों दलों में लंबे समय बाद नेतृत्व परिवर्तन हुआ है. अध्यक्ष बदले जाने के साथ ही पुरानी कार्यकारिणी स्वमेव विसर्जित मान ली जाती है लेकिन दोनों दलों के अध्यक्ष फिलहाल निवर्तमान अध्यक्षों की कार्यकारिणी से ही पार्टी चला रहे हैं. हालांकि भाजपा में अध्यक्ष बदले हुए महीने बीत गए हैं लेकिन वहां नई कार्यकारिणी का कोई हील हवाला ही नजर नहीं आ रहा था. प्रभारी संगठन महामंत्री बीएल संतोष यदि भोपाल तशरीफ लाकर जवाब तलब नहीं करते तो अभी भी नई कार्यकारिणी की प्रक्रिया सौ दिन चले अढ़ाई कोस की स्थिति में होती. नए कांग्रेस सदर भी ग्वालियर के बड़े नेताओं से कार्यकारिणी में एडजेस्ट करने के लिए उनके समर्थकों की सूची तलब करने जा रहे हैं. इस बीच तीसरी बार ग्रामीण जिलाध्यक्ष बने पीडी जौहरे के आज अचानक दिल्ली रवाना होने से पार्टी वीथिकाओं में नई चर्चाएं चल पड़ीं.

क्या भविष्य में भी बनी रहेगी प्रशासन की निष्पक्षता व सतर्कता

सरकारें आती जाती रहती है, सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष चुनावी भंवर में से निकलकर एक दूसरे का स्थान लेते हैं, चूंकि सत्ता चिर स्थाई नहीं है, लिहाजा कार्यपालिका को अपनी निष्पक्षता बनाए रखनी होती है, यही लोकतंत्र का उसूल है. ग्वालियर का जिला प्रशासन और पुलिस तंत्र फिलहाल तो इसी उसूल पर चलता दिखाई दे रहा है. राहुल गांधी और जीतू पटवारी के विवादित बयानों से नाराज भाजपा ने जब ग्वालियर में कांग्रेस दफ्तर पर जंगी प्रदर्शन. का ऐलान किया तो पुलिस और प्रशासन फौरन हरकत में आया और कांग्रेस दफ्तर से सौ मीटर दूर तक इतना सख्त सुरक्षा घेरा बना दिया कि परिंदा भी पर न मार सके.

ग्वालियर की कॉन्क्लेव में सिंधिया का न आना...

ग्वालियर में चली दो रोजा 'रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव' में सिंधिया का न आना सभी के लिए अचंभे की बात रही. जहां ग्वालियर के विकास का खाका खींचने दुनिया जहान के निवेशक जमा हों, वहां सिंधिया की गैर मौजूदगी हो, इसे कुछ लोग सातवां अजूबा मानते हैं. बहरहाल, खबर यही छनकर आई कि विकास कार्यों का स्वयं श्रेय लेने संबंधी नरेंद्र सिंह तोमर के कटाक्ष की पीड़ा को महाराज अब तक भूले नहीं हैं. वैसे यह कॉन्क्लेव कामयाब रही. 3500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए तो सौ करोड़ से राजा मानसिंह के किला को रेनोवेट करने पर भी प्रपोजल बना है.

भारतीयों पर दुनियाभर में नस्लवादी हमले

डबलिन उपनगर में 19 जुलाई को एक 40 वर्षीय भारतीय पुरुष पर बुरी तरह से हमला हुआ. हमलावरों ने इस मारपीट का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया. भारतीय मूल के 42-वर्षीय टैक्सी ड्राइवर लखवीर सिंह ने जब 1 अगस्त को डबलिन उपनगर में दो व्यक्तियों को ड्रॉप किया तो उन्होंने उस पर हमला बोल दिया. भागते हुए संदिग्ध चिल्लाए अपने देश वापस जाओ. एक छह साल की भारतीय मूल की लड़की पर 4 अगस्त को 8 व 14 वर्ष के बच्चों के समूह ने वॉटरफोर्ड शहर में हमला किया. हमलावरों ने बच्ची के चेहरे पर घूंसे बरसाएं, उसके बाल खींचे और उसके गुप्तांगों पर साइकिल से टक्कर मारकर उससे कहा, गंदी भारतीय, वापस इंडिया जाओ. डबलिन में भारतीय मूल के एक होटल शेफ लक्ष्मण दास 6 अगस्त को जब काम पर जा रहे थे, तो उन पर तीन संदिग्धों ने हमला किया और उनका फोन, क्रेडिट कार्ड्स व इलेक्ट्रिक बाइक लेकर फरार हो गए. डबलिन में भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है कि सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए उचित सावधानी बरतें और एकांत स्थानों से से बचें, विशेषकर असुविधाजनक समय पर. हिंसा को सोशल मीडिया बढ़ावा दे रहा है और अधिकतर युवा किशोरों के समूह भारतीयों को निशाना बना रहे हैं, जबकि जुवेनाइल कानून की वजह से हमलावरों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करना कठिन हो रहा है. भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी हिंसा व नफरत केवल आयरलैंड में ही नहीं बढ़ रही है, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड आदि सभी जगह यही हाल है. एक वीडियो वायरल है, जिसमें एक अमेरिकी भारतीय मूल के व्यक्ति को गालियां देते हुए कह रहा है, तुम मेरे देश में क्यों हो? मुझे तुम लोग पसंद नहीं हो.

भारतीय अप्रवासियों को इस वजह से भी नस्लवाद व भेदभाव का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वे सफल हैं, शिक्षित हैं व कड़ी मेहनत करने वाले प्रतीत होते हैं. इससे स्थानीय लोगों को ईर्ष्या होती है, जिसे राजनीतिक लोग अपने फायदे के लिए भुनाने का प्रयास करते हैं.

-नरेंद्र शर्मा

निशानेबाज

ट्रंप को कुछ हुआ तो मैं तैयार प्रेसीडेंट बनने को वेंस बेकरार

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, कितनी विचित्र बात है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कह दिया कि यदि ट्रंप को कुछ हो जाता है तो वह उनकी जगह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हैं. क्या यह किसी का बुरा चाहने जैसी अशुभ या अभद्र बात नहीं है?

हमने कहा, वेंस जिंदगी में चान्स लेना चाहते हैं. इसलिए एडवांस में उन्होंने अपने मन की इच्छा खुलकर व्यक्त कर दी. इसे किसी नेता का व्यावहारिक दृष्टिकोण या प्रैक्टिकल एप्रोच माना जा सकता है. उनका आशय है कि अमेरिका के नागरिकों बेफिक्र रहो. मैं सेकंड इन कमांड के रूप में किसी भी इमरजेंसी के लिए मौजूद हूं.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, जॉन एफ केनेडी की डलास में हत्या होने के तुरंत बाद वाइस प्रेसिडेंट लिंडन बेन्स जॉनसन ने उड़ते हवाई जहाज में बाइबिल पर हाथ रखकर अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी. ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहना पड़ता है, क्योंकि अमेरिका में राष्ट्रपति पद जरा भी देर खाली नहीं रखा जा सकता. अब

हम सोच रहे हैं कि यदि जेडी वेंस प्रेसीडेंट बन गए तो व्हाइट हाउस में फर्स्ट लेडी उषा वेंस भारतीय मूल की होंगी. हो सकता है कि तब अमेरिका और भारत के संबंधों का नया उषाकाल या नया सवेरा शुरू हो जाए.

हमने कहा, आगे आप यह भी कहेंगे कि जेडी वेंस एक रिस्पॉन्सिबल फैमिलीमैन हैं जो भारत यात्रा के दौरान अपनी पत्नी, 2 बेटों और 1 बेटी के साथ प्रधानमंत्री मोदी के निवास पहुंचे थे. उनके बच्चों ने बंद गला वाला भारतीय कोट पहना था. ऐसी पारिवारिक भेंट हुई थी कि वेंस के बच्चों ने मोदी को ग्रैंड पा या नाना कह दिया. मोदी भी ऐसे प्रेम से मिले मानो अपनी बेटी और नातियों से भेंट हुई हो. उन्होंने इन बच्चों को अपने पालतू मोर दिखाए जिन्हें देखकर इन बच्चों ने वन्स मोर कहा होगा. वेंस दंपति ने मोदी के साथ पारिवारिक फीलिंग का आनंद लिया था.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ऐसे भ्रम में मत रहिए. कोई भी विदेशी नेता पहले अपने देश का हित देखता है. माय फ्रेंड मोदी कहने वाले ट्रंप का रवैया आप देख ही रहे हैं. दोस्त-दोस्त न रहा, प्यार-प्यार न रहा!

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12012

- डॉ. सागर खादीवाला

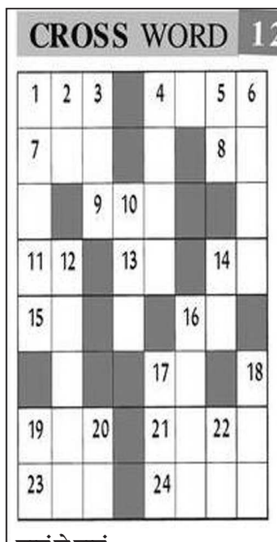

ऊपर से नीचे

1. दयालु, कृपालु 2. टेढ़ापन, टेढ़ा, झुका हुआ (उर्दू) 3. साथ, इच्छा, उत्कट अभिलाषा 4. चंद्रवंशी राजा प्रतर्दन की विदुषी ब्रम्हवादिनी पत्नी, मद से अलसाई हुई (सं.) 5. ईश्वर, मालिक, परमेश्वर (उर्दू) 6. मृगतृष्णा 10. डोलाना, किसी चीज को इधर-उधर करना 12. प्राणिशास्त्र, बायोलॉजी 14. बिच्छू-मधुमक्खी आदि छोटे जंतुओं का जहरीला कांटा 16. ठाठबाटपूर्ण, वैभवपूर्ण 17. दीया 18. अग्नि 19. जीवात्मा, अजन्मा, कामदेव, बकरा 20. अवधि सूचित करने वाला अव्यय, पर्यंत 22. प्रभु राम की पत्नी

बाएं से दाएं

1. करधनी, तगड़ी, किंकिणी 4. मन को लुभाने वाला, सुंदर 7. गर्भ, भ्रूण (उर्दू) 8. रिहा, मुक्त, आजाद 9. किनारा (उर्दू) 11. शर्त, दांव, करतब 13. गोंद, चेप, चिपकने वाली चीज 14. नगाड़ा 15. नया, नूतन, नवीन (सं.) 16. सब्जी, वनस्पति 17. गरीब, असहाय 19. जिसका पता न हो, अविदित 21. पदारूढ़ 23. जन्म देने वाला, सीताजी के पिता का नाम 24. ताली बजाना, एक प्रकार का ताल देने का बाजा, झांझ, मंजीरा

Solution 12011

सं	भा	व	ना		अ	मी	र
ग्र		न्य		कुं	ज		जा
ह	रा				मे	म	ना
	क्ष	मा		नी	र	स	
अ	स	र		द		ल	त
प		क	र	ना		ना	स
रा	म		श्मि		ज		ली
जा	न			प्रि	य	त	म

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष क प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक कोमल शरीर, भावुक होगा. स्वास्थ्य कुछ नरम गरम रहेगा 20 वर्ष के बाद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. जो भी बात करेगा, वह बड़ी चतुराई और गंभीरता के साथ बुद्धिमानी से परिपूर्ण होगी. विद्या के क्षेत्र में रूचि रहेगी. दूसरों पर अधिक भरोसा करेगा, पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

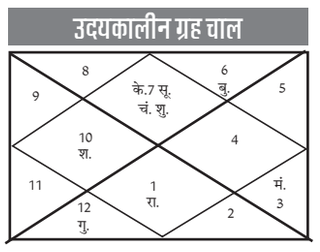

पंचांग

रा.मि. 13 संवत् 2082 भाद्रपद शुक्ल द्वादशी गुरूवासरे रात 1/55, उत्तराषाढ़ा नक्षत्रे रात 10/46, सौभाग्य योगे दिन 3/20, वव करणे सू.उ. 5/46 सू.अ. 6/14, चन्द्रचार मकर, पर्व- वामन द्वादशी, शु.रा. 10, 12, 1, 4, 5, 8 अ.रा. 11, 2, 3, 6, 7, 9 शुभांक- 3, 5, 9.

त्यापार भविष्य

भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, तांबा, रूई, कपास, तिलहन, आदि में तेजी का योग है. वायदा विचार आज पिछले भाव में नीचे टूटे होंगे, उसी में जोरदार तेजी होगी. हल्दी, ज्वार, बाजरा, आदि से नरमी रहेगी. भाग्यांक 1473 है.

मेष- शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा राजनैतिक समस्याओं का समाधान होगा. आर्थिक कार्य बनेगा. निजी लोगों से परेशानी होगी.

वृषभ - मशीनरी प्रयोग में सावधानी रखें. जोखिम के कार्यों से बचने का प्रयास करें. सुविधा की कमी से काम में मुश्किल हो सकती है, लाभ कम होगा.

मिथुन- विपरीत माहौल में भी खुद के लिये अनुकूलता बना लेंगे. व्यापार व्यवसाय अच्छा रहेगा. दूसरों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा.

कर्क- किसी प्रिय व्यक्ति से विश्वासघात हो सकता है. पुरानी समस्याओं का समाधान होगा. शत्रु वर्ग सक्रिय रहेगा. मित्र वर्ग मदद करेंगे.

सिंह- संतान पक्ष से सुख एवं संतोष रहेगा. लेखन, अध्ययन, एवं मनोरंजन, के कार्यों में रूचि रहेगी. जोखिम के कार्यों में न उलझें. परिश्रम अधिक होगा.

कन्या- वैभव विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा. धन खर्च होगा. मतभेद संभाव्य है. दूसरों के कारण आपको परेशानी हो सकती है. धैर्य रखें.

तुला- विवादित मसले सुलझने के आसार हैं. नौकर चाकरों एवं अधिनस्थ वर्ग के कार्यों में संतोष रहेगा. परिश्रम अधिक करना होगा.

वृश्चिक- धीमी गति से चल रही योजनाओं पर ध्यान दें. मित्रों एवं कुटुम्बियों के साथ संबंधों में उत्साह बना रहेगा. विवाद की स्थिति से बचें.

धनु- कैरियर में प्रस्ताव मिलने के आसार है. संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता रह सकती है. जमीन जायजाद के कार्यों में खर्च होगा. खान पान पर नियंत्रण रखें.

मकर- न चाहते हुये भी समझौता करना पड़ सकता है. आय एवं व्यय में समानता रहेगी. दैनिक कामकाज की रूपरेखा बनेगी. स्वास्थ्य में सुधार होगा.

कुम्भ- स्थाई एवं अन्य साधनों में लाभ प्राप्त होगा. मनोवांछित सफलता मिलेगी. विरोधी उलझाने का प्रयास करेंगे. कारोबारी यात्रा होगी.

मीन- अपनों की मदद करके खुश होंगे. भाग्यवर्धक समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वास्थ्य संबंधी कष्ट दूर होगा. महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे. निजी लोगों से परेशानी होगी.

SUDOKU 7144

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7143

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2